

3, 42. ΚΑΤΗΣ. 46, 111; vgl. पौनःपुन्य. पुनर्भूयः MBu. 14, 416. पुनर् in der Bed. von पुनः पुनः N. 2, 4. 15, 15. R. 1, 2, 42. Spr. 1793. पुनर् — पुनर् bald — bald: पुनर्धात्री पुनर्भूमिस्तस्य प्रधावति JĀG. 3, 82. — 2) *hinwiederum* so v. a. *ferner*, *nun*, *ausserdem* (weiter ausführend und einfach anreihend): न यः संपृच्छे न पुनर्कवीतवे न संवादाय रमते RV. 8, 90, 4. AV. 3, 11, 6. ते पुनर्दानायाधिपत्तं ÇAT. Ba. 11, 4, 2, 7. न तृप्तिं न पुनरावृत्तिम् 6, 2, 4. 14, 9, 2, 18. त्रेधा बर्हिः संनक्ष्य पुनरेकधा KĪTJ. Ça. 5, 1, 25. AV. Prāt. 4, 105. 125. कः पुनः कालो नतत्रेण पुन्यते Prāt. zu P. 4, 2, 4. किं पुनर्त्र स्यायः ders. zu 1, 1, 78. विक्र. 6, 2. पित्र्ये राज्यकुनी वर्षे प्रविभागास्तयोः पुनः । अकृस्तत्रोदगयनें रात्रिः स्यादक्षिणायामम् ॥ M. 1, 67. 3, 61. 242. R. 2, 21, 60. ÇĀK. 192. कौपीनं शतखण्डजर्जरतरं कन्था पुनस्तादृशी Spr. 757. द्वरे मार्गान्निवससि पुनः कण्ठैरावृता ऽसि 1223. ऋषु पुनः Hit. 20, 9. Sehr beliebt ist die Verbindung वा पुनः st. des einfachen वा : नाप्रशात्ताय दातव्यं नापुत्रायाशिष्याय वा पुनः Çvetāçv. Up. 6, 22. एकदेशं तु वेदस्य वेदाङ्गान्यपि वा पुनः M. 2, 141. 214. 4, 2. 8, 243. 240. 9, 109. Bhāg. 18, 40. N. 22, 10. — 3) *dayegen*, *aber* (भेदे AK. H. an. Med. पत्तात्तरे Med.): भीमस्य राज्ञः सा दत्ता वीरबाह्णैरहं पुनः N. 17, 14. JĀG. 1, 110. Ragh. 2, 48. 8, 84. 12, 47. Bhartr. 3, 80. Spr. 1483. काममननुत्प्रपमस्या व्यसो वल्कलं न पुनरलंकारश्चियं न पुष्यति ÇĀK. 10, 6. 5, 5. 26, 16. 61, 18, v. l. 69, 2, v. l. 104, 14. 105, 8. 65. 153, v. l. Kumāras. 3, 69. स हि धर्मसकृपो मे न विप्रियकरः पुनः KATĪS. 28, 35. 40, 32. वर्मसौ दिवसो न पुनर्निशा AMAR. 60. RĪGĀ-TAR. 4, 124. यदि पुनः PAÑĒAV. 70, 2. SĀH. D. 2, 19. 3, 5. — 4) *dennoch*: पयोदं हे वारि ददासि वा न वा त्वेदकचित्तः पुनरेष चातकः Spr. 1694. KĪT. 2. — 5) कदा पुनः scheint in der folg. Stelle irgendwann zu bedeuten: सेतुः किं मूर्खं बध्यते । गङ्गामोघकार्याभिः सिकताभिः कदा पुनः ॥ KATHĪS. 40, 19. — Nach MED. steht पुनर् auch अधिकारे, nach AK. 3, 5, 15 ist पुनर् = एवम् u. s. w. (अवधारणावाचक). किं पुनर् s. u. किम् 2. c. v. — Vgl. अपुनर्.

पुनरपगम (पु° + अपग°) m. *das Wiederfortgehen*: अपुनरपगमाय प्राप्तमार्गप्रचाराः मरित इव समुद्रं संपदस्तं विशन्ति KĀM. NĪTIS. 2, 44.

पुनरभिधान (पु° + अभि°) n. *das Wiedererwähnen* KULL. zu M. 4, 145. 147.

पुनरभिषेक (पु° + अभि°) m. *Wiedersalbung* AIT. Ba. 8, 5, 9.

पुनरभ्याकारम् s. u. 1. कर् with अभ्या.

पुनरर्थिता (von पु° + अर्थिन्) f. *ein abermaliges Bitten* BUĀG. P. 5, 19, 27.

पुनरर्मु (पु° + अर्मु) adj. *wieder in's Leben tretend* ÇAT. Ba. 1, 5, 2, 14.

पुनरागत (पु° + आ°) adj. *wiedergekommen, zurückgekehrt* M. 11, 195. Hit. 21, 11.

पुनरागम (पु° + आ°) m. *Wiederkehr* ÇĀKĪH. GĪHJ. 3, 6.

पुनरागमन (पु° + आ°) n. *das Wiederkommen* N. 17, 42. R. GORR. 2, 23. 5. VARĀH. BRH. S. 47, 79. VID. 149. MĀRK. P. 21, 89. 77, 21. श्रेयसे वृद्धये तात पुनरागमनाय च । गच्छस्वारिष्ठमव्यग्रं पन्थानमकुतोभयम् ॥ R. 2, 34. 31. 5, 5, 10. KATHĪS. 38, 75.

पुनरागामिन् (पु° + आ°) adj. *wiederkehrend* NĪR. 4, 16.

पुनरादायम् (पु° mit आ°, absol. von 1. दा mit आ) adv. *wiederholt*: प्रगाथो पु° शस्यते AIT. Ba. 3, 17. ÇĀKĪH. Ba. 15, 2. Ça. 9, 20, 17. 18, 4. 3. GRHJ. 3, 4. 6, 3. PAÑĒAV. Ba. 9, 1, 5.

पुनरादि (पु° + आ°) adj. *von Neuem beginnend, wiederholt*: प्रथमानि IV. Theil.

पदानि पुनरादीनि भवन्ति PAÑĒAV. Ba. 9, 1, 4.

पुनराधान (पु° + आ°) n. *die Handlung der wiederholten Feueraufsetzung* M. 5, 168. Comm. zu TĪB. 123, 9. Schol. zu KĪTJ. Ça. 354, 4 v. u. — Vgl. पुनराधेय.

पुनराधेय (पु° + आ°) 1) adj. *wieder aufzusetzen* (vom Feuer auf den Altar) TĪB. 1, 3, 2, 5. यद्रूपैः समावृत्ता नश्येदुदस्याग्निः सीदित्पुनराधेयः स्यात् 3, 4, 20, 5. 5, 4, 20, 4. आधानाद्यद्यामयावी यदि वार्था व्यथेरन्पुनराधेय इष्टिः ÅÇV. Ça. 2, 8. — 2) n. *die Handlung der wiederholten Feueraufsetzung* TS. 1, 5, 2, 2. 4. यो ऽप्याधेयेन नार्घ्नाति स पुनराधेयमार्घ्ने 5, 4, 20, 5. TĪB. 1, 3, 2, 2. ÇAT. Ba. 2, 1, 2, 10. 2, 2, 4. KĪTĪH. 8, 15. KĪTJ. Ça. 4, 11, 1, 2. ÇĀKĪH. Ça. 2, 5, 1. — 3) m. N. *einer Soma-Feier* KĪTJ. Ça. 22, 7, 22.

पुनराधेयक n. = पुनराधेय 2. Comm. zu TĪB. 141, 3.

पुनराधेयिक (von पुनराधेय) adj. f. ई *auf die Handlung der wiederholten Feueraufsetzung bezüglich* Schol. zu KĪTJ. Ça. 387, 4. 5 v. u. — Vgl. पौनराधेयक.

पुनरायन (पु° + आ°) n. *Wiederkunft* ÅÇV. Ça. 2, 5. ऋ° 6, 14.

पुनरालम्भं (पु° + आ°) m. *das Wiederfassen* TS. 1, 7, 6, 7.

पुनरावर्त (पु° + आ°) m. *Wiederkehr, Wiederholung*: °नन्दा (neben मरुतानन्दा) f. N. pr. eines Wallfahrtsortes MBu. 13, 1731.

पुनरावर्तिन् (पु° + आ°) adj. *wiederkehrend* (in das irdische Leben) JĀG. 3, 186. *zur Wiederkehr* (in das irdische Leben) *führend*: आ ब्रह्म-भुवनाल्लोकाः पुनरावर्तिनो ऽर्जुन । मामपेत्य तु कैस्तेय पुनर्जन्म न विद्यते ॥ Bhāg. 8, 16. मरुयोगी ततो गत्वा पुनरावर्तिनो गतिम् HARIV. 983.

पुनरावृत् (पु° + आ°) adj. *wiederholt* AIT. Ba. 5, 1.

पुनरावृत्ति (पु° + आ°) f. 1) *Wiederkehr* (in das irdische Leben) JĀG. 3, 194. MBu. 14, 525. 1015. Viśu-P. in Verz. d. Oxf. H. 52, a, 26. Schol. bei Wilson, SĀMĪKĪAK. S. 15. ऋ° Bhāg. 5, 17. In ÇAT. Ba. 14, 9, 4, 18 wird पुनरा° geschrieben, das Wort also nicht als comp. betrachtet. — 2) *Wiederholung* ÅÇV. Ça. 3, 14.

पुनराहार (पु° + आ°) m. *Wiedervornahme* KĪTJ. Ça. 25, 11, 7. 14, 36. ANUPADA 10, 1.

पुनरुक्त (पु° + उ°) gaṇa उक्थादि zu P. 4, 2, 60. ऋगयनादि zu 3, 73. adj. *von Neuem gesagt, wiederholt*; n. *Wiederholung, unnütze Wiederholung, Tautologie* LĪTJ. 6, 12, 8. KĪTJ. Ça. 20, 7, 22. पुनरुक्तेन किं तेन भाषितेन पुनः पुनः MBu. 5, 632. ब्रूहि संजय त्वेन पुनरुक्ता कथामिमाम् *erzähle noch ein Mal* 8, 86. पुनरुक्तं च वक्ष्यामि यत्कार्यं भूतिमिच्छता 5, 4724. 2890. 12, 827. R. GORR. 2, 121. 5. VARĀH. BRH. S. 46, 28 (29). Schol. zu VS. Prāt. 4, 174. 177. आशास्पमन्यत्पुनरुक्तभूतम् Ragh. 5, 34. तपस्विवेषक्रिययापि तावद्यः प्रेतणीयः सुतरां बभूव । राजेन्द्रनेपथ्यविधानशोभा तस्योदितासीत्पुनरुक्तदोषा ॥ 14, 9. कविर्मेने पुनरुक्तं श्रियो ऽर्पणम् so v. a. *abermalg* RĪGĀ-TAR. 3, 262. पीनस्तनोपरि निपातिभिरर्पयती मुक्तावलीविरचनापुनरुक्तमसैः (so ist zu lesen) *Wiederholung* Vikr. 153. °भुक्ताविषय *wiederholt* *genossen* Spr. 2626. अनभिव्यक्ताश्चन्द्रिकायां दीपिकाः पुनरुक्ताः so v. a. *überflüssig* Vikr. 40, 2. — Vgl. पौनरुक्त, पौनरुक्तिक, पौनरुक्त्य.

पुनरुक्तजन्मन् (पु° + ज°) m. *ein Brahman* (ein zwei Mal Geborner; vgl. द्विज) TĀIK. 2, 7, 3.

पुनरुक्तता (von पुनरुक्त) f. *Wiederholung, Tautologie* Schol. zu RV.